

डॉ. पी. एम्. पाटील,
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६ ००४.

✦ संस्तुति ✦

मैं संस्तुति करता हूँ कि, श्री. व्यंकटेशा भिमू धव्हाण का
"मोहन राकेशा की कहानियों में चित्रित महानगरीय जीवन" लघु-
शाब्दा - प्रबन्धा परीक्षणार्थ अंग्रेषित किया जाए।

कोल्हापुर।

तिथि :- १२ / ०६ / १९९६.

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - ४१६ ००४

डॉ. के. पी. शहा
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय,
कोल्हापुर।


तथा

स्नातकोत्तर अध्यापक
एवं शोध - निर्देशक
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर। [महाराष्ट्र]

* प्रमाणपत्र *

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि व्यंकटेश भिम्म चव्हाण ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम्. लिट. [हिन्दी] उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध प्रबन्ध "मोहन राकेश की कहानियों में चित्रित महानगरीय जीवन" मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। व्यंकटेश भिम्म चव्हाण के प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

कोल्हापुर।


[डॉ. के. पी. शहा]

[शोध-निर्देशक]

दिनांक :- ११ / ०६ / १९९६.

* पृष्ठपापन *

"मोहन राकेश की कहानियों में चित्रित महानगरीय जीवन" लघु - शोध - प्रबन्ध मेरी मौलिक रचना है जो सम्. फिल [हिन्दी] उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इसे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

कोल्हापुर।

तिथि :- १२/०६/१९९६

शोध छात्र

(Bharan)

[श्री. व्यंकटेश भिम्म चव्हाण]